HANS RAJ MAHILA MAHA VIDYALAYA
COLLEGE OF EXCELLENCE
JALANDHAR

आज तक आमने-सामने

पढ़ें भारत की हर ख़बर सच के साथ
HINDI, PUNJABI & ENGLISH

A++ GRADE ACCREDITED BY NAAC
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

Year 2025/ Editor- S.K. Saxena | RNI No-Punhin2013/54688 | 1-15 March-2025
Email : aajtakaamnesaamne.in@gmail.com | Mob : 8146107666

न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लेक्सन और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब गए, जो गहरी भक्ति और इतिहास का स्थान है। मानवता के प्रति सेवा और मानवता के प्रति सिख समुदाय की अखंडता वास्तव में दुनिया भर में सराहनीय है।

पाकिस्तान ने शांति के हर प्रयास का जवाब विश्वासघात से दिया-नरेंद्र मोदी

अमेरिकी पॉडकास्टर के साथ बातचीत में बोले प्रधान मंत्री

एस. के. सक्सैना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत की तरफ से शांति के हर प्रयास का जवाब पाकिस्तान ने शत्रुता और विश्वासघात से दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि उसे सद?बुद्धि आएगी और वह शांति का मार्ग अपनाएगा। अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ एक पॉडकास्ट में मोदी ने यह भी कहा कि भारतीय वैदिक संतों और स्वामी विवेकानंद ने जो कुछ भी सिखाया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी वही सिखाता है।

पाक के बारे में एक प्रश्न के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा, मेरा मानना है कि पाकिस्तान के लोग भी शांति चाहते हैं क्योंकि वे भी संघर्ष, अशांति और निरंतर आतंक में रहते हुए थक गए होंगे, जहां मासूम बच्चे भी मारे जाते हैं और अनगिनत जिंदगियां बर्बाद हो जाती हैं। मोदी ने कहा कि भारत जब भी शांति की बात करता है, तो आज दुनिया उसकी बात सुनती है, क्योंकि भारत गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी की भूमि है। उन्होंने कहा कि उनकी ताकत उनके नाम में नहीं है, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों और देश की शाश्वत संस्कृति एवं विरासत के समर्थन में निहित है। आरएसएस के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्होंने ऐसे सम्मानित संगठन से जीवन के सार और मूल्यों को सीखा। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आरएसएस अपने स्वयंसेवकों को जीवन का एक उद्देश्य देता है। यह सिखाता है कि राष्ट्र ही सब कुछ है और समाज सेवा ही ईश्वर की सेवा है। मेरे मन में हमेशा एक ही लक्ष्य था, देश के काम आना। यही मुझे संघ ने सिखाया।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके बीच परस्पर विश्वास का रिश्ता है। उन्होंने ट्रंप को एक साहसी व्यक्ति बताया, जो अमेरिका के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में पहले की तुलना में कहीं अधिक तैयार दिखाई दे रहे हैं। उनके दिमाग में स्पष्ट रोडमैप है, जो उन्हें लक्ष्यों की ओर ले जाने के लिए तैयार किया गया है। पीएम मोदी ने कहा है कि गुजरात में 2002 में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों को लेकर एक झूठी कहानी गढ़ने का प्रयास किया गया था। केंद्र की सत्ता में बैठे उनके राजनीतिक विरोधी चाहते थे कि उन्हें सजा मिले, लेकिन अदालतों ने उन्हें निर्दोष साबित किया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि जिस गुजरात में लगभग हर साल हिंसा होती थी, वहां 2002 के बाद से एक भी बड़ा दंगा नहीं हुआ, पूरी तरह शांति है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि दंगों के बाद कुछ लोगों ने उनकी छवि खराब करने की कोशिश की, लेकिन अंततः न्याय की जीत हुई।

25 को पंचकूला में शपथ से पहले 21 को मोदी से मिलेंगे नवनिर्वाचित मेयर

हरियाणा के नगर निगमों, नगर परिषदों व नगर पालिकाओं के चुने हुए प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह 25 मार्च को पंचकूला स्थित इंद्रधनुष आडिटोरियम में होगा। शपथ ग्रहण से पहले नायब सरकार नगर निगमों के मेयर, नगर परिषदों के चेयरमैन व नगर पालिकाओं के अध्यक्षों को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करवाएगी। 12 मार्च को ही शहरी स्थानीय निकायों के नतीजे आए थे और विधानसभा के बाद अब इन चुनावों में भी भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चुने हुए प्रतिनिधियों का प्रधानमंत्री से मुलाकात करवाने का कार्यक्रम बनाया है। बताते हैं कि पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) से इस कार्यक्रम की अनुमति भी मिल चुकी है। भाजपा शुरू से ही यह दावा कर रही थी कि शहरों के चुनावों में भी पार्टी जीत हासिल करेगी और प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार नॉन-स्टॉप गति के साथ काम करेगी। निकाय चुनावों के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री की भी प्रधानमंत्री के साथ यह पहली मुलाकात होगी। प्रधानमंत्री से मिलने के बाद निकायों के इन प्रतिनिधियों की केंद्रीय बिजली व शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भी मुलाकात करवाई जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, शहरी स्थानीय निकाय विभाग चुने गए जनप्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों में जुटा है। पंचकूला में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में सभी को शपथ दिलाई जाएगी। निगम, परिषद व पालिकाओं के पार्षदों को सामूहिक शपथ दिलाई जाएगी। वहीं नगर निगमों में चुने गए मेयर, नगर परिषदों के चेयरमैन तथा नगर पालिकाओं के अध्यक्ष को अलग-अलग शपथ दिलाई जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बढ़ौली, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल के अलावा सीएमओ के अधिकारी तथा निकाय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस समारोह के लिए सभी मंत्रियों, सांसदों व विधायकों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

पूर्व की मनोहर सरकार के समय से ही नगर निगमों में मेयर, नगर परिषदों में चेयरमैन तथा नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद के डायरेक्ट चुनाव होते हैं। इससे पूर्व पार्षदों द्वारा ही इन पदों के लिए चुनाव किया जाता था। दस नगर निगमों में मेयर पद के चुनाव हुए। इनमें से नौ निगमों में मेयर पद पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। वहीं मानेसर नगर निगम के अस्तित्व में आने के बाद पहली बार हुए चुनाव में ही निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत हासिल की है।

नगर परिषद व पालिकाओं के अध्यक्षों को भी प्रधानमंत्री से मिलवाने का कार्यक्रम

लोकसभा में बोले मोदी- महाकुंभ में दुनिया ने भारत का विराट स्वरूप देखा

एस. के. सक्सैना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ को भारत के इतिहास में अहम मोड़ करार देते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि दुनिया ने देश के विराट स्वरूप को देखा और यह 'सबका प्रयास' का साक्षात स्वरूप था। उन्होंने निचले सदन में प्रयागराज महाकुंभ को लेकर दिए एक वक्तव्य में यह भी कहा कि महाकुंभ से 'एकता का अमृत' और कई अन्य अमृत निकले हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''आज मैं इस सदन के माध्यम से देशवासियों को नमन करता हूं जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ है। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है.. मैं सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। उनका कहना था, ''मैं देश के श्रद्धालुओं, उत्तर प्रदेश की जनता और विशेषकर प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से गंगा को लाने के लिए भगीरथ प्रयास हुआ था उसी तरह का महाप्रयास महाकुंभ में दिखाई दिया। प्रधानमंत्री का कहना था, ''मैंने लाल किले से 'सबका प्रयास' पर जोर दिया था। पूरे विश्व ने महाकुंभ के माध्यम से भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। 'सबका प्रयास' का यही साक्षात स्वरूप है। उन्होंने कहा, ''महाकुंभ में हमने अपनी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए हैं। यह हमें नए संकल्पों की सिद्धि के लिए प्रेरित करती है। मोदी ने कहा, ''महाकुंभ ने उन शंकाओं और आशंकाओं को उचित जवाब दिया है जो हमारे सामर्थ्य को लेकर कुछ लोगों के मन में रहती हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं और एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है।

कहा- यह 'सबका प्रयास का साक्षात स्वरूप था

WEL COMR BY
ਸੰਤ ਤਾਲਮੇਲ ਸੰਗਠਨ (ਰਜ਼ਿ)
SANT TAALMAIL SANGTHAN
HELP LINE- 9878-55-2070, 8146-10-7666 99152-93434, 91+8427-44-2070

डॉ. बलजीत कौर के प्रयासों से मलोट में जल संसाधन विभाग में सुधार और मैपिंग पहल की

मनदीप कौर

चंडीगढ़, 14 मार्च–पंजाब सरकार जल संसाधन विभाग में दक्षता बढ़ाने और कार्यों को सुचारू बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, लाइनिंग सब–डिवीजन नंबर 12, मलोट को कार्यकारी अभियंता, अबोहर (पीडब्ल्यूआरएमडीसी डिवीजन, अबोहर) के साथ जोड़ा गया है। इससे पहले, यह कार्यकारी अभियंता, देवीगढ़ (पीडब्ल्यूआरएमडीसी डिवीजन, संगरूर) के अधीन था, लेकिन मलोट से दूर होने के कारण, कार्यालयी कार्यों में देरी होती थी और लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

डॉ. बलजीत कौर ने जोर देकर कहा कि इस पुनर्गठन से चल रहे परियोजनाओं में तेजी आएगी, विभागीय कुशलता में वृद्धि होगी और मलोट के निवासियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि यह निर्णय एक विस्तृत मैपिंग रिपोर्ट पर आधारित है, जो पंजाब के नहरी डिवीजनों और पंजाब जल संसाधन प्रबंधन एवं विकास निगम की व्यापक समीक्षा के बाद तैयार की गई है।

इस अवसर पर उन्होंने जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल का भी विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने मलोट

विभागीय कार्यकुशलता में होगी वृद्धि, लोगों को मिलेगी सुविधा

क्षेत्र की इस पुरानी मांग को पूरा किया है। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि नए ढांचे के अनुसार, लाइनिंग सब–डिवीजन नंबर 12, मलोट के पहले से चल रहे कार्यों को कार्यकारी अभियंता, देवीगढ़ (पीडब्ल्यूआरएमडीसी डिवीजन, संगरूर) के अधीन ही कराया जाएगा, जबकि नए कार्यों से संबंधित रिपोर्ट कार्यकारी अभियंता, अबोहर को सौंपी जाएगी।

मंत्री ने पुष्टि की कि यह पहल प्रशासन को मजबूत करेगी, जल संसाधन प्रबंधन में सुधार लाएगी और किसानों व पानी के उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाएगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इस पुनर्गठन को तुरंत लागू करने और संशोधित ढांचे के तहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

ग्रेनेड हमले के मामले में जलंधर देहाती पुलिस को बड़ी सफलता ; मुख्य दोषी गिरफ्तार

एस. के. सक्सैना

जलंधर, 14 मार्च–जलंधर पुलिस ने मक्सूदां में हुए ग्रेनेड हमले के मामले में एक बड़ी सफलता प्राप्त की है, जिसमें मुख्य दोषी को सफलता पूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना पाकिस्तान आधारित द्धस्द्ध संचालकों से जुड़ा एक योजनाबद्ध हमला था, जिसका उद्देश्य कानून और व्यवस्था को अस्थिर करना था। श्री नवीन सिंघला, आईपीएस, डीआईजी जलंधर रेंज ने मीडिया को बताया कि ग्रेनेड हमले की घटना की जानकारी मिलते ही थाना मक्सूदां में मुकदमा नंबर 57 तारीख 16.03.2025 के तहत 109 ब्न्ह्रस् 3,4,5 एक्सप्लोसिव एक्ट, वर्धित जुर्म 13, 17 यूएपीए एक्ट, 61 ब्न्ह्रस् दर्ज किया गया और श्री गुरमीत सिंह, पी.पी.एस, एस.एस.पी जलंधर देहाती द्वारा स्ढ्ढञ्ज का गठन किया गया। इस टीम की अगुवाई श्रीमती जसरूप कौर बाठ, आईपीएस, एस.पी तफ्तीश ने की और विभिन्न टीमों का गठन करके श्री मनप्रीत सिंह ढिल्लो, एस.पी स्पेशल क्राइम की निगरानी में टीम को रवाना किया गया। 36 घंटों की कड़ी मेहनत के बाद, तकनीकी और मानव इंटेलिजेंस के आधार पर मुख्य दोषी हारदीक कंबोज (वासी यमुनानगर, हरियाणा) को तारीख 17.03.2025 को गिरफ्तार किया गया। यह दोषी एक साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए जाशिन अख्तर से जुड़ा था और उसे शहजाद भट्टी से संपर्क करवाया गया था। आज तारीख 18.03.2025 सुबह पूछताछ के बाद दोषी को रायपुर रसूलपुर रोड, थाना मक्सूदां के सामने खाली प्लॉट में लाया गया, जहां दोषी ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की, जिसके कारण उसकी टांग में गोली लग गई और वह घायल हो गया। पुलिस ने .32 बोर पिस्तौल और 06 जिंदा राउंड बरामद किए। दोषी को काबू कर उसे तुरंत सिविल अस्पताल जलंधर में इलाज के लिए भेजा गया। इस मामले में एक और मुकदमा नंबर 59 तारीख 18.03.2025 के तहत 109, 221, 132, 261, 62 ब्न्ह्रस् 25–54–59 आर्मस एक्ट थाना मक्सूदां में दर्ज किया गया। श्री नवीन सिंघला, डीआईजी जलंधर रेंज ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि समाज में अमन, कानून और शांति को भंग करने वाले असमाजिक तत्वों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और पंजाब में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास इसी तरह जारी रहेंगे। उन्होंने जनता से भी अपील की कि किसी भी समाज विरोधी घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत पुलिस को सूचित किया जाए।

1. दर्ज मुकदमे का विवरण*

मुकदमा नंबर 57 तारीख 16.03.2025 के तहत 109 BNS 3,4,5 एक्सप्लोसिव एक्ट, वर्धित जुर्म 13, 17 यूएपीए एक्ट, 61 BNS थाना मक्सूदां।

(द्बद्ब) मुकदमा नंबर 59 तारीख 18.03.2025 के तहत 109, 221, 132, 261, 62 ब्न्ह्रस् 25–54–59 आर्मस एक्ट थाना मक्सूदां।

2. घटना के विवरण

* 16 मार्च 2025 को लगभग 3.45 बजे. एक मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने पिंड रायपुर रसूलपुर, थाना मक्सूदां में नवदीप सिंह उर्फ रोजर संधू, एक प्रसिद्ध यूट्यूबर और सोशल मीडिया प्रभावक, के घर पर एक ग्रेनेड फेंका।

* प्रारंभिक जांच से पता चला कि यह हमला पाकिस्तान स्थित आईएसआई ऑपरेटिव शहजाद भट्टी से जुड़े व्यक्तियों द्वारा किया गया था।

3. मुख्य दोषी की गिरफ्तारी

* दोषी का नाम- हारदीक कंबोज, उम्र- 19 वर्ष, पिता का नाम- जितेंद्र कंबोज, पता- यमुनानगर, हरियाणा

* गिरफ्तारी स्थान- यमुनानगर

हमें और जांच में यह भी पता चला है कि उसका संबंध आईएसआई से जुड़े शहजाद भट्टी के सहयोगी जाशिन अख्तर से था।

4. रिकवरी

* दोषी की गिरफ्तारी- पुलिस ने दोषी से .32 बोर पिस्तौल और 6 जिंदा राउंड बरामद किए।

डिप्टी कमिश्नर ने पी.सी.एस परीक्षा-2025 की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग कक्षाए शुरू की

कहा,कोचिंग देने का उद्देश्य युवाओं को पीसीएस परीक्षा के लिए बेहतर ढंग से तैयार करना

एस. के. सक्सैना

जालंधर, 14 मार्च- डिप्टी ने डा.हिमांशु अग्रवाल ने आज जिला रोजगार एवं व्यवसाय ब्यूरो में पंजाब सिविल सेवा (पीसीएस) परीक्षा–2025 की तैयारी के लिए निश्शुल्क कोचिंग कक्षाएं शुरू की। नि:शुल्क कोचिंग हेतु लड़के एवं लड़कियों के 2 अलग–अलग बैच संचालित किए जाएंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए, डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि जिला प्रशासन की यह पहल उन युवा लड़के और लड़कियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है जो सिविल सेवाओं में शामिल होना चाहते है। उन्होंने कहा कि पीसीएस कोचिंग का उद्देश्य इच्छुक युवाओं को परीक्षा के लिए बेहतर ढंग से तैयार करना ताकि वे सिविल सेवाओं में शामिल होने के अपने सपने को साकार कर सकें। डा.अग्रवाल ने

विद्यार्थियों के साथ तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण बातें भी सांझा की

कोचिंग प्राप्त कर रहे छात्रों के साथ अपनी आई ए.एस. परीक्षा की तैयारी के दौरान अपने व्यक्तिगत अनुभव भी सांझा किए और तैयारी के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण बिंदु भी बताए। उन्होंने परीक्षा के संबंध में छात्रों की शंकाओं को दूर किया और उन्हें उचित समाधान भी सुझाए। उन्होंने छात्रों को अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए किताबों और कोचिंग से आगे बढ़ने और परीक्षा की तैयारी के लिए सोशल मीडिया का अच्छा उपयोग करने की भी सलाह दी। डिप्टी कमिश्नर ने छात्रों को आश्वासन दिया कि विषय विशेषज्ञों द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग प्रदान करने के अलावा, जिला प्रशासन उन्हें तैयारी के संबंध में हर संभव सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि कोचिंग के दौरान छात्रों को जिले में तैनात आई.ए.एस./पी.सी.एस. अधिकारियों से रू–ब–रू करवाया जाएगा, जिससे उन्हें अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए और अधिक लगन से तैयारी करने की प्रेरणा मिलेगी। डिप्टी कमिश्नर ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत से वे सिविल सेवा में जाने का सपना पूरा कर सकते है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिला प्रशासन भविष्य में भी युवाओं के कल्याण के लिए ऐसे प्रयास जारी रखेगा। इस अवसर पर जिला रोजगार, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण ब्यूरो की उपनिदेशक नीलम महे, जिला रोजगार, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण अधिकारी नरेश कुमार एवं ब्यूरो का स्टाफ भी उपस्थित था।

पंजाब सरकार राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है- स्वास्थ्य मंत्री

एस. के. सक्सैना

जालंधर, 14 मार्च- पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. बलबीर सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। आज वह यहां के निकट हजारा गांव में एसजीएल अस्पताल और स्टैंडिंग स्ट्रेट ऑर्गनाइजेशन द्वारा स्पाइनल कर्वेचर मिशन की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर लोकसभा सदस्य डा. राज कुमार चैबेवाल भी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार किए है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थापित आम आदमी क्लीनिकों में जहां 2.99 करोड़ से अधिक लोग मुफ्त इलाज से लाभान्वित हुए हैं, वहीं सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवाएं और इलाज सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन क्लीनिकों के माध्यम से लोगों को उनके घर के पास ही गुणवत्तापूर्ण उपचार सेवाएं प्रदान की जा रही है।

डा.बलबीर सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने स्ट्रोक के इलाज के लिए विश्व स्ट्रोक संगठन के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत संगठन के सहयोग से मेडिकल कॉलेजों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे समझौतों से हमारे मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को बेहतर और आधुनिक तरीके से प्रशिक्षण में मदद मिलेगी।

उन्होंने एस.जी.एल. सुपर स्पेशलिटी चैरिटेबल हॉस्पिटल एवं स्टैंडिंग स्ट्रेट ऑर्गेनाइजेशन द्वारा मानवता के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों एवं समर्पण भाव से सेवाएं दे रहे डॉक्टरों की सराहना की। इस दौरान बोलते हुए लोकसभा सदस्य डॉ. राज कुमार चैबेवाल ने स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार के प्रयासों से आम लोगों तक गुणवत्तापूर्ण और बेहतर सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हुई है। उन्होंने एस.जी.एल. उन्होंने अस्पताल और स्टैंडिंग स्ट्रेट संस्था द्वारा की जा रही जनसेवा के लिए उनकी सराहना भी की। इस अवसर पर एस.जी.एल अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ के अलावा स्टैंडिंग स्ट्रेट संस्था के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

पंजाब सरकार द्वारा शुरू किया गया युद्ध नशियां विरुद्ध बड़ी सफलता प्राप्त कर रहा है

एस. के. सक्सैना

डेरा बाबा नानक/गुरदासपुर, 14 मार्च () – मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई 'ड्रग्स के विरुद्ध जंग' को बड़ी सफलता मिल रही है और पंजाब सरकार के प्रयासों से पंजाब राज्य नशा मुक्त होकर एक बार फिर रंग–बिरंगा पंजाब बनेगा। यह खुलासा करते हुए डेरा बाबा नानक के विधायक श्री. गुरदीप सिंह रंधावा ने कहा कि पंजाब सरकार के निर्देशों के तहत पंजाब पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की है और 1 मार्च 2025 से अब तक राज्य भर में 2575 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और 1651 एफआईआर दर्ज की गई हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने गिरफ्तार नशा तस्करों के कब्जे से 95 किलोग्राम हेरोइन, 52 किलोग्राम अफीम, 1129 किलोग्राम चूरापोस्त, 13.79 किलोग्राम गांजा, 7.25 लाख नशीली गोलियां/शॉट्स, 1 किलोग्राम आईसीई, 1.37 किलोग्राम कोकीन और 64 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। विधायक श्री. गुरदीप सिंह रंधावा ने कहा कि जहां पंजाब पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, वहीं राज्य सरकार भी नशे की लत से ग्रस्त युवाओं को मुफ्त इलाज मुहैया कराने के लिए कदम उठा रही है।

पंजाब पुलिस ने पिछले 17 दिनों में 2575 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार – विधायक रंधावा

उन्होंने कहा कि नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक कर आम जनता को नशे के खिलाफ जंग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस सुरक्षित पंजाब नशा विरोधी हेल्पलाइन 9779100200 चला रही है, जिसके माध्यम से नागरिक गोपनीय रूप से नशा तस्करों की सूचना दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है और पंजाब सरकार समाज के हर वर्ग का सहयोग लेकर इस बुराई को जड़ से खत्म करेगी।

15,000 रुपये रिश्वत लेते पंचायत सचिव विजीलेंस ब्यूरो द्वारा काबू

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 14 मार्च, 2025 ङ्क भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए चलाई जा रही मुहिम के तहत पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने आज कपूरथला जिले के गांव झल्ल बींबड़ी के पंचायत सचिव परमजीत सिंह को 15,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस मामले का सह–दोषी, कपूरथला का ब्लॉक विकास एवं पंचायत अधिकारी (बी.डी.पी.ओ.) हरदयाल सिंह गिरफ्तारी से बचकर मौके से फरार होने में सफल हो गया। पंजाब विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी गांव झल्ल बींबड़ी के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि बी.डी.पी.ओ. और पंचायत सचिव दोनों ने गांव की एक गली के निर्माण से संबंधित लागत का भुगतान करने के लिए बैंक चेक जारी करने के बदले 20,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच के बाद, विजीलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और पंचायत सचिव को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया, जबकि बी.डी.पी.ओ. गिरफ्तारी से बचकर मौके से फरार हो गया। प्रवक्ता ने आगे बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ विजीलेंस ब्यूरो पुलिस थाना जालंधर में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार पंचायत सचिव को कल अदालत में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मामले की आगे जांच जारी है।

गिरफ्तारी से बचकर भागा बी.डी.पी.ओ. मौके से हुआ फरार

विधायक जिम्पा ने किया वार्ड नंबर 40 के चौक सुराजा में 16.50 लाख की लागत से गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ

एस. के. सक्सैना

होशियारपुर, 14 मार्च- शहर के विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक ब्रम शंकर जिम्पा ने आज वार्ड नंबर 40 के चौक सुराजा में 16.50 लाख रुपए की लागत से गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कोई कमी न रहे और सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। विधायक जिम्पा ने बताया कि शहर में विभिन्न विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इसके तहत अलग–अलग वार्डों में पीने के पानी के ट्यूबवेल लगाए जा रहे हैं, जिससे पानी की समस्या का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में यह कदम उठाया गया है। विधायक ने स्थानीय निवासियों से अपील की कि वे विकास कार्यों में सहयोग करें और सड़क निर्माण एवं अन्य कार्यों के दौरान प्रशासन का समर्थन करें। उन्होंने विश्वास दिलाया कि शहर को और अधिक आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए भविष्य में भी ऐसे विकास कार्य जारी रहेंगे। इस अवसर पर मेयर सुरिंदर कुमार, प्रदीप बिट्टू, अनमोल जैन, बब्बी जैन, रामपाल, सुरेश गोलू, कृष्ण गोपाल शर्मा, मनोज दत्ता, अजय जैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उन्होंने विधायक जिम्पा का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस तरह के विकास कार्यों से शहरवासियों को सीधा लाभ मिलेगा।

वेस्ट,सेंट्रल,कैंट व नार्थ विधानसभा मे भगवंत मान सरकार के खिलाफ भाजपा के 17 जगहों पर सफल प्रचंड प्रदर्शन

भगवंत मान और आपदा वाली पंजाब सरकार के कुशासन को खत्म केवल भाजपा की सुशासन वाली सरकार कर सकती है–सुशील शर्मा

एस. के. सक्सैना

जालंधर–पंजाब मे आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार के 3 साल पूरे होने पर वेस्ट विधानसभा समेत जालंधर शहरी की चारों विधानसभाओं मे भाजपा के 17 मंडल प्रधानों की अध्यक्षता मे 17 स्थानों पर पंजाब सरकार के राज मे बढ़ रही गुंडागर्दी,नशा तस्करी,फिरौती अपहरण कल्चर,हर सरकारी दफ्तर मे चल रहे चरम सीमा पर भ्रष्टाचार के चलते परेशान हो रहे व्यापारी,दुकानदार,किसान,जवान एवं महिलाओं को हो रहे असुविधाओं और महिलाओ को 1 हजार ना मिलने, कारोबारियो को 5 रुपए प्रति यूनिट बिजली, किसानो को 23 फसलों पर एम.एस.पी, कच्चे सरकारी मुलाजिमों को पक्का करने, बेअदबी के दोषियों को सजा देने, रेत माफिया को समाप्त करने, सीवर मैनो को सफाई कीट देने जैसे दर्जनों आम आदमी पार्टी भगवंत मान के चुनावी वादे पूरे ना करने को मुख्य रूप से प्रदर्शनों का आधार बनाया।जिसमे भाजपा नेताओ ने आम आदमी पार्टी और भगवंत मान की पंजाब सरकार को झूठे वादे कर जनता से धोखा कर जनता की भावनाओ से खिलवाड़ करने वाली सरकार बताया।वही भाजपा नेताओ ने खुले मंचों पर आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार पर तीखे हमले कर बोला पिछले 3 सालों मे पंजाब कि जनता पर करीब 2 लाख करोड़ का क़र्ज़ा बिना कोई विकास कार्य किये बढ़ गया है।इतना ही नही पंजाब के हर गली–मोहल्ले,शहर,पिंड मे दवाई राशन की सप्लाई मे तो कभी–कभी रुकावट देखी जा रही रही है पर नशा तस्करी,अवैध हथियारों की सप्लाई रुकने की बजाये होम डिलीवरी होना शुरू हो गई है।इसी वजह से हर तरफ हर रोज़ हर पिंड

भगवंत मान सरकार और विपक्षी दल कांग्रस के निजीहितों वाले फिक्स मैच ने पंजाब की तरक्की को रोका और पछाड़ा–सुशील रिंकू

हर शहर में नौजवान नशों की ओवरडोज़ और व्यापारी,दुकानदार गोलीबारी गैंगवार,अपहरण फ़िरोतियो का शिकार होकर अपनी जाने गवा रहे है।जिसको रोकने मे पंजाब सरकार पूरी तरह फेल हो गई है।इसी वजह से हर पंजाबी अपने परिवार को असुरक्षित समज डर के माहौल मे जीने को बेबस और मजबूर है। इस अवसर पर जिला भाजपा प्रधान ने कहा हर फ्रंट पर फेल भगवंत मान और आपदा वाली पंजाब सरकार के कुशासन को खत्म केवल भाजपा की सुशासन वाली सरकार कर सकती है। वही पूर्व सांसद सुशील रिंकू ने बोला आप और कांग्रस के इंडिया गठबंधन के चलते पंजाब मे भगवंत मान सरकार और विपक्षी दल कांग्रस के निजीहितों वाले फिक्स मैच ने पंजाब की तरक्की को रोका और पछाड़ा हुआ है। पंजाब के पूर्व मंत्री और पूर्व पंजाब भाजपा प्रधान मनोरंजन कालिया बोले जालंधर समेत पंजाब मे कोई 5 नये हस्पताल,कॉलेज,स्कूल, इंडस्ट्री प्रोजेक्ट खुले है तो मुख्यमंत्री भगवंत मान और उनकी झूठी पंजाब सरकार बताये। इन्हीं प्रदर्शनों के दौरान पूर्व विधायक के.डी भंडारी ने कहा आम आदमी पार्टी के नेता जनता को सुख सुविधाएं उपलब्ध करवाने की बजाये परिवारों सहित सरकारी सुविधाओं का आनंद ले रहे और लोग बेबस हो गये है।वही पंजाब सरकार के पूर्व मुख्य संसदीय सचिव करतारपुर और फिल्लौर विधासभा से पूर्व विधायक अविनाश चंद्र कलेर बोले दलितों की वोट लेकर 92 विधायकों की बनी आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने हर स्तर पर दलित समाजके नेताओ,विद्यार्थियों और सरकारी कर्मचारियों को दबाने कुचलने का काम किया है। इस प्रदर्शन मे जालंधर कैंट से पूर्व विधायक जगबीर बराड़ बोले मौजूदा नाजुक स्थिति मे अब केवल पंजाब की जनता नहीं हर सरकारी कर्मचारी भी आपदा वाली पंजाब सरकार से दुखी हो गया है। वही वेस्ट विधासभा से पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री महिंद्र भगत और मेयर वनीत धीर के इलाके मे अपने जोशीले अंदाज मे जालंधर भाजपा के महामंत्री अशोक सरीन हिक्की(एडवोकेट) बोले बेहद दुख की बात है की मंत्री मेयर की विधानसभा मे जनता जबरन वसूली,नशा तस्करी,गुंडागर्दी,हफ्ता वसूली के जुल्मों के सामने बेबस होकर चुप रहने को मजबूर है। वही भाजपा नेता अमित तनेजा बोले पंजाब मे नौजवानों को नौकरी नहीं नशा तस्करी कारोबार समेत बेकसूरो को झूठे मुकदमे भगवंत मान सरकार ने तोफे मे दिए। इसी कड़ी मे जालंधर भाजपा के महामंत्री राजेश कपूर बोले आने वाले विधासभा चुनावो मे अब भाजपा आप के दिल्ली और पंजाब वाले झूठे मॉडल पर अपने विकास,विश्वास और सुशासन के मॉडल से 2027 मे प्रचंड जीत प्राप्त कर सरकार बनायेगी। वही जालंधर भाजपा के पूर्व प्रधान रवि महेंद्रू बोले हर रोज मन्दिर,पुलिस थानों के बाहर हर रोज हो रहे बॉम्ब धमाको को रोकने मे आपदा सरकार लोगो, धार्मिक स्थानों समेत सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा करने मे पूरी तरह फेल हो गई है। इसी तरह अपने संबोधन मे पूर्व जिला भाजपा प्रधान रमन पब्बी बोले पंजाब सरकार की गलत कारगुजारी के चलते हर पंजाबी डर खौफ़ के माहौल मे जीने को मजबूर है। वही प्रसिद्ध व्यापारी नेता रविन्द्र धीर बोले हर रोज अलग– अलग नये–नये बहाने बनाकर पंजाब सरकार व्यापारी, दुकानदारों एवं कारोबारियों पर टैक्सेशन की आफत का कहर बरसा रही।पंजाब भाजपा के पूर्व स्पोक्समैन दीवान अमित अरोड़ा बोले चरमरा चुकी कानून व्यवस्था को खत्म करने के लिए पंजाब मे अमन शांति तरक्की के लिए अब भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार की जरूरत है। वही पूर्व विधायक सरबजीत सिंह मक्कड़ बोले मौजूदा पंजाब सरकार की गलत नीतियों के चलते बिगड़ रहे माहौल के चलते अब सिर्फ पंजाब मे भाजपा सरकार बनने पर हर पंजाबी महफूज और बेखौफ होकर रह सकता है। वही भाजपा के पूर्व जिला प्रधान अमरजीत सिंह अमरी बोले कि पंजाब मे फेल कानून व्यवस्था को ठीक करने के लिए भाजपा का योगी मॉडल पंजाब मे चाहिए। वही जालंधर कैंटोनमेंट के सिविल मेंबर पुनीत भारती शुक्ला बोले ड्रग माफिया गुंडाराज और गुण कल्चर के खात्मे के लिए भाजपा ही विकल्प और विशवास का रास्ता है। भाजपा ट्रांसपोर्ट सैल के पूर्व प्रधान किशनलाल शर्मा बोले मौजूदा

3 सालो मे मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व मे चलने वाली आप पार्टी कि पंजाब सरकार ने तो पंजाब की महिलाओ को तो हर

जालंधर मे इन 17 स्थानों पर सफल प्रदर्शनों मे यह बढ़े नेता मौजूद रहे

एस. के. सक्सैना

महानगर जालंधर के 4 विधानसभा के सभी 17 मंडलों समेत 85 वार्डो मे मंडल 1 के प्रधान राजेश मल्होत्रा इंचार्ज मनीष विज के नेतृत्व मे जिला भाजपा प्रधान सुशील शर्मा,मंडल 2 मे बाबा सोढ़ल चौंक मे प्रधान कुलवंत शर्मा,इंचार्ज अश्वनी भंडारी के नेतृत्व मे पंजाब भाजपा के उपप्रधान एवं पूर्व सीपीएस के.डी भंडारी,मंडल 3 के लंबा पिंड चौंक मे प्रधान गुरप्रीत विक्की,इंचार्ज जी.के सोनी के नेतृत्व मे पूर्व जिला भाजपा प्रधान रवि महेंदरु,मंडल 4 के अड्डा होशियारपुर चौंक मे प्रधान आशीष सहगल इंचार्ज सन्नी शर्मा के नेतृत्व मे पूर्व जिला भाजपा प्रधान रमन पब्बी,मंडल 5 के चंदन रखेजा इंचार्ज बृजेश शर्मा के नेतृत्व मे लक्की बुक डिपु,रामामंडी चौंक मे पूर्व जिला भाजपा प्रधान अमरजीत सिंह अमरी,मंडल 6 मे बी.एस.एफ चौंक मे प्रधान हितेश स्याल,इंचार्ज दविंदर कालिया के नेतृत्व मे पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया,मंडल 7 मे प्रधान टीटू कपानिया,इंचार्ज हितेश स्याल ने दोमोरिया पुल पर जिला महामंत्री राजेश कपूर,मंडल 8 मे कपूरथला चौंक पर प्रधान सितीश ढल्ल,इंचार्ज सतपाल बठला के नेतृत्व मे दीवान अमित अरोड़ा,मंडल 9 के इवनिंग कॉलेज चौंक बस्ती नौ बाहर प्रधान कुनाल शर्मा ल,इंचार्ज योगेश मल्होत्रा के नेत्रत्व मे पंजाब भाजपा ट्रेड सैल के को–कन्वीनर रविंद्र धीर,मंडल 10 मे बाबू जगजीवन राम चौंक पर प्रधान मनीष बल,इंचार्ज तरसेम थापा के नेतृत्व मे पूर्व पंजाब ट्रांसपोर्ट सैल कन्वीनर किशनलाल शर्मा,मंडल 11 में काला सिंघा रोड चुंगी पर प्रधान अजय ठाकुर,इंचार्ज दर्शनलाल भगत के नेत्रत्व मे पूर्व विधायक मुख्य संसदीय सचिव अविनाश चंद्र कलेर,मंडल 12 के माता रानी चौंक मॉडल हाऊस पर मंडल महामंत्री तजिंद्र बोनी,इंचार्ज डिंपी लुबाना के नेतृत्व मे जिला भाजपा महामंत्री अशोक सरीन हिक्की,मंडल 13 मे स्वामी दयानद चौंक गढ़ा पर प्रधान बलराज बदन,इंचार्ज ललित बब्बू के नेतृत्व मे अमित तनेजा,मंडल 14 मे जालंधर कैंट दशहरा ग्राउंड के बाहर प्रधान शिवदर्शन अब्बी,इंचार्ज शाम शर्मा के नेतृत्व मे कैंट बोर्ड के सिविल मेंबर पुनीत भारती शुक्ला,मंडल 15 मे मॉडल टाऊन मार्केट शिवानी पार्क के बाहर दीपाली बागड़िया,मनीष त्रेहन के नेतृत्व मे पूर्व विधायक जगबीर बराड,मंडल 16 मे 66 फूटी रोड जालंधर हाइट पर मंडल प्रधान कुलदीप मानक,इंचार्ज सन्नी भगत के नेत्रत्व मे पूर्व विधायक सरबजीत सिंह मक्कड़,मंडल 17 मे दीप नगर रोड जालंधर कैंट मे प्रधान जॉर्ज सागर इंचार्ज नरेश वालिया के नेतृत्व मे पूर्व सांसद सुशील रिंकू मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

भाजपा सरकार बनने पर हर महीने 1 हजार देने वाले चुनावी वादे के नही दिए परंतु भाजपा सरकार बनते ही दिल्ली की तर्ज पर महिलाओं को पंजाब मे 1 महीने मे उनके सभी अधिकार देगी। इन प्रदर्शनों पार्षद मंजीत सिंह टीटू, रिंपी प्रभाकर, प्रोफेसर कंवर सरताज, मंजीत कौर, रवि कुमार, शोभा मेनिया, रानी भगत, शिवम शर्मा, अजय बबल,कुलदीप कुमार दीपू,हंसराज ढल्ल,सचिन सरीन,रिंकू आबादपुरा,अश्वनी अटवाल,मनोज अग्रवाल,गौरव मेहता,राम लुभाया,जवाहर सूद मनशविन्दर चड्ढा,हरजीत चड्ढा,मंडल,मुनीश बल,किशन लाल शर्मा,राजन अंगुराल,तरसेम थापा,प्रदीप खुल्लर,अमित सिंह संधा,जस्सा फिरोजपुरिया,सुनील चोपड़ा,वरुण तनेजा,सुखबीर कौर चड्ढा,मंडल प्रधान आशीष सहगल, पूर्व जिलाध्यक्ष रमन पब्बी, सन्नी शर्मा, अनुज शारदा, मुकूल कालिया, दिनेश खन्ना, अश्विनी दीवान, शुभम शर्मा, ब्रिज मोहन गुप्ता, आशु गुप्ता, हेमंत खन्ना, विजय चड्ढा,सतीश कपूर, ए आर भंडारी, राजेश शर्मा, हनी जोशी, नरेन्द्र संजू, अशोक शर्मा, राघव रत्रा हरीश शर्मा, गोपाल कम्बोज, ज्योति सरीन, विवेक वर्मा,आरके मल्होत्रा,अनिल शर्मा ,दिनेश महेंद्रु, मनीष विज, गुरदयाल भट्टी, सूर्य मिश्रा, भूपेंद्र कुमार, गुरप्रीत सिंह ,रामपाल, संदीप महाजन, रमेश चावला, अश्विनी धवन ,नरेंद्र तलवार, प्रवीण अग्रवाल, अमित भंडारी,जसपाल सिंह,अश्विनी कुमार,मनोज पराशर,नवनीत भारद्वाज,प्रदीप अवस्थी,रमनदीप पांडे,गगनदीप पांडे,मनजीत सिंह,हरप्रीत सिंह,कुलवंत शर्मा,अश्विनी भंडारी,भगवंत प्रभाकर, तरुण, गुरमीत, गुरदीप सिंह,विशाल रेरु,प्रेम कुमार,नीलम सोढ़ी, हरविंद्र भट्टी(पंच), फिरोज मसीह, भूषण भट्टी, संतोख सिंह सोनू, जोगिंद्र सिंह पंच, लखविंद्र सिंह लखा पंच, लखा पौडे सपराये पंच, सनी भगत, काला जमशेर,अजय कादिया, गोरा चितयानी आदि भारी संख्या मे भाजपा कार्यकर्ता अलग–अलग प्रदर्शनों पर मौजूद थे।

पंजाब की मान सरकार हर मोर्चे पर बुरी तरह विफल –चुग

एस. के. सक्सैना

अमृतसर, 15 मार्च– भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने आज अमृतसर में एक मंदिर पर ग्रेनेड हमले की कड़ी निंदा की ,उन्होंने कहा कि ऐसी घटना दुखद है ,धार्मिक स्थलों परऐसे हमले घोर निंदनीय और कायरता पूर्ण हैं ।उन्होंने पंजाब में कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वाली ताकतों को बेनकाब करने के लिए घटना की सीबीआई जांच की मांग की।

चुग ने मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने क्षेत्र में बार–बार हो रहे ग्रेनेड हमलों पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की ।चुघ ने कहा कि पंजाब में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार राज्य में विघटनकारी तत्वों को रोकने में पूरी तरह विफल रही है। पिछले तीन साल में आप सरकार के नेतृत्व में लगातार हत्या , फिरौती और अब ग्रेनेट हमले हो रहे हैं , उद्योगपति , व्यापारी , दुकानदार ,सामान्य आदमी डर के माहौल में जी रहे हैं । चुघ ने कहा कि पहले इस तरह के हमले पुलिस स्टेशनों पर होते थे, लेकिन हिंदू मंदिर को

ग्रेनेड हमले का निशाना बनाना एक गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि राज्य में सांप्रदायिक और सामाजिक विभाजन पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। चुघ ने मांग करते हुए कि सरकार द्वारा राज्य पुलिस को ऐसे तत्वों से निपटने के लिए स्वतंत्र कार्यवाही की छूट दिया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि पंजाब में आप सरकार कानून–व्यवस्था की देखभाल करने के बजाय दिल्ली से आए पार्टी नेताओं की आवभगत में अधिक व्यस्त है।

उन्होंने मान सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज अमृतसर दौरे पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जो अभी किसी सांविधानिक पद पर नहीं हैं उनकी सुरक्षा के लिए पूरा शहर छावनी में तब्दील किया हुआ है जबकि मंदिर के ग्रेनेड हमले के आरोपियों को पकड़ने में पुलिस नाकाम है ।मान सरकार राज्य के संसाधनों को पंजाब की जनता की सेवा और सुरक्षा में खर्च करने की बजाय अपने दिल्ली को 11 साल तक लूटने वाले अपने आकाओ को खुश करने में लगे हुए हैं

चुग ने कहा कि आप सरकार पूरी तरह नौशिकियो की सरकार है ,राज्य में कानून–व्यवस्था पूरी तरह से विफल हो गई है और लोगों में असुरक्षा की नई भावना व्याप्त हो गई है।पंजाब की जनता भी दिल्ली की तरह ही आपदा पार्टी की सरकार से मुक्ति चाहती है ।

विधायक जिम्पा ने लिया तहसील कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य का जायजा

43 लाख रुपए की लागत से जालंधर रोड से फगवाड़ा बाईपास जाने वाले मार्ग के मरम्मत के कार्य की करवाई शुरुआत

एस. के. सक्सैना

होशियारपुर, 15 मार्च– विधायक ब्रम शंकर जिम्पा ने तहसील कॉम्प्लेक्स के नवीनीकरण कार्य का निरीक्षण किया और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि इस निर्माण कार्य के पूरा होने से लोगों को सुविधाएं मिलने में कोई देरी न हो और सरकारी सेवाएं अधिक सुगमता से उपलब्ध कराई जा सकें। विधायक जिम्पा ने अधिकारियों से निर्माण की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार जनता को आधुनिक और सुविधाजनक प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए निर्माण कार्य में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तहसील कॉम्प्लेक्स के निरीक्षण के बाद विधायक ब्रम शंकर जिम्पा ने जालंधर रोड से फगवाड़ा बाईपास जाने वाले मार्ग का दौरा किया और सड़क मरम्मत कार्य की शुरुआत करवाई। उन्होंने बताया कि सिंगड़ीवाला चौक से फगवाड़ा बाईपास चौक तक सड़क को सुधारने के लिए 43 लाख रुपए की लागत से यह कार्य शुरू किया गया है। इस सड़क की मरम्मत से स्थानीय निवासियों और यात्रियों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी।

विधायक जिम्पा ने कहा कि यह मार्ग शहर के महत्वपूर्ण रास्तों में से एक है, इसलिए इसकी मरम्मत बेहद जरूरी थी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा किया जाए ताकि लोगों को लंबे समय तक बेहतर सड़क सुविधा मिल सके। इस अवसर पर होशियारपुर नगर निगम के मेयर सुरिंदर कुमार, एसडीएम संजीव कुमार, पार्षद बलविंदर बिंदी, कुलविंदर सिंह हुंदल, एक्सीयन गुरमीत सिंह सहित कई अन्य अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

महिलाओं पर विशेष लेख

'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करेंगी महिलाएँ

आदिकाल से ही भारत में महिलाओं का समाज में प्रमुख स्थान रहा है। हम 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:' का देश हैं। अर्थात 'जहाँ स्त्रियों का सम्मान होता है वहाँ देवता निवास करते हैं और जहाँ स्त्रियों का सम्मान नहीं होता है वहाँ किये गये समस्त अच्छे कर्म भी निष्फल हो जाते हैं卐– यह भाव, विचार और विश्वास भारतीय मानस में बसा हुआ है। 'शतपथ ब्राह्मण' में उल्लेख मिलता है कि श्रीराम के गुरु वशिष्ठ के गुरुकुल में संगीत व पर्यावरण– संरक्षण का शिक्षण उनकी महान विदुषी पत्नी अरुन्धति ही देती थीं। ऋग्वेद में भी गार्गी, मैत्रेयी, घोषा, अपाला, लोपामुद्रा, रोमशां जैसी अनेक वेद मंत्रद्रष्टा ऋषिकाओं का उल्लेख मिलता है जिनके ब्रह्मज्ञान से समूचा ऋषि समाज उल्लसित था, परन्तु दुःख का विषय है कि स्त्री–शिक्षा की इतनी गौरवपूर्ण व स्वर्णिम परिपाटी, परवर्ती काल में खासतौर से मध्ययुग में आक्रांताओं के शासनकाल और उसके बाद फिरंगियों की गुलामी के दौरान छिन्न–भिन्न होती चली गयी। आजादी के संघर्ष के दौरान और आजादी के बाद महिलाओं का समाज में पुनः कुछ सम्मान ब?ा, लेकिन उनके प्रगति की गति दशकों तक धीमी रही। गरीबी व निरक्षरता महिलाओं के सशक्तिकरण में गंभीर बाधा रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक समानता दिलवाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है । महिलाओं और पुरुषों के बीच समाज में जड़ें जमा चुकी असमानताओं को मिटाकर समानता लाने के उद्देश्य से महिला दिवस मनाया जाता है।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक महात्मा गांधी ने 23 दिसंबर 1936 को अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के अपने भाषण में कहा था– 卐जब महिला, जिसे हम अबला कहते हैं, सबला बन जाएगी , तो वे सभी जो असहाय हैं, शक्तिशाली बन जाएंगे।卐 इसी क्रम में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर भी सशक्त भारत के निर्माण में महिलाओं के महत्त्व को रेखांकित करते हुए लिखते हैं 卐सामाजिक न्याय के लिए महिला सशक्तिकरण का होना जरूरी है तभी समाज में महिला का उत्थान हो सकता है卐। महिलाओं के उत्थान से ही स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के लोकतांत्रिक विचारों के साथ समाज का पुनः निर्माण संभव है ।

जब 1920 के आसपास दुनिया भर में महिलाएं अपने समान नागरिक अधिकारों के लिए आंदोलन कर रही थीं तब हिंदी के ख्यातिलब्ध रचनाकार मुंशी प्रेमचंद लिख रहे थे कि 'यदि पुरूष में स्त्री के गुण आ जायें तो वह देवता हो जाता है' । रानी अहिल्याबाई होलकर से लेकर झांसी की रानी लक्ष्मीबाई तक, रानी गाइदिन्ल्यू से लेकर सावित्रीबाई फुले तक महिलाओं ने समाज में बदलाव के बड़े उदाहरण स्थापित किए हैं। वर्तमान भारत इन महान महिलाओं के प्रेरणादायी जीवन से तत्व ग्रहण कर अग्रसर हो रहा है।

इस बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम कार्रवाई में तेज़ी लाना (Accelerate Action) है। इस थीम का संदेश है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ठोस और तेजी से कदम उठाने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण हेतु अनेक ठोस कदम उठाए हैं। यह नीतियां महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता, सुरक्षा और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। पिछले दस वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का जमीन पर लाभ दिखना शुरू हो गया है।

गरीब परिवारों की महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन प्रदान करना हो, स्वास्थ्य और सुविधा में सुधार हेतु 'उज्ज्वला योजना' हो या बालिकाओं की शिक्षा और भविष्य की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'सुकन्या समृद्धि योजना' हो, महिलाओं–बेटियों का हित भारत सरकार की प्राथमिकता हैं। मातृत्व लाभ अधिनियम में संशोधन कर महिला कर्मियों को मिलने वाले मातृत्व अवकाश की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दी गई है। उधर मोदी सरकार द्वारा छोटे व्यवसायियों की मदद के लिए शुरू की गई मुद्रालोन योजना में महिलाओं की भागीदारी 69 प्रतिशत है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। इसके अलावा स्टैंड अप इंडिया के तहत खास तौर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग की महिलाओं को ऋण दिया जाता है जिसके तहत अब तक 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक के ऋण स्वीकृत किया जा चुके हैं। बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ और मिशन शक्ति जैसी योजनाओं एवं सेल्फी विद डॉटर जैसी पहलों ने हमारी बालिकाओं– युवतियों के लिए नया आसमान खोला है। महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी/SHG) सशक्तिकरण योजना द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिला समूहों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी भागीदारी को बढ़ाने के नए कीर्तिमान बनाए जा रहे हैं। आज भारत की नारी एक नए आर्थिक क्षितिज की ओर अग्रसर है।

शिक्षा, सफलता की महत्वपूर्ण सीढ़ी मानी जाती है। इस सन्दर्भ में महात्मा गांधी का यह कथन और भी अर्थवान है– जब एक पुरुष शिक्षित होता है तब एक व्यक्ति शिक्षित होता है लेकिन जब एक महिला शिक्षित होती है तब एक परिवार शिक्षित होता है'। इस सूक्ति के मद्देनज़र मोदी सरकार के शासन में भारत में उच्च शिक्षा में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक रूप से बढ़ रही है। 2014–15 के बाद से उच्च शिक्षा में नामांकन दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, महिला नामांकन दर 1.57 करोड़ से बढ़कर 2.18 करोड़ हो गया है।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' द्वारा संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का अद्वितीय कार्य हो, तीन तलाक़ कानून द्वारा मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा हो, पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के लिए महिला बटालियनों का गठन हो, अथवा शिक्षा और कौशल विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए नए संस्थान और ट्रेनिंग प्रोग्राम, हमारी सरकार महिलाओं की अग्रणी भूमिका को सुनिश्चित करने के लिए कृत संकल्पित है। कला, खेल, अभिनय, राजनीति से लेकर सरकारी नौकरियों व प्रोफेशनल जगत– सभी महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में भारतीय महिलाएं अपनी भागीदारी न सिर्फ़ सुनिश्चित कर रही हैं बल्कि अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए अपनी धाक भी बना रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब विकसित भारत के लिए अपने चार स्तंभों की बात करते हैं तो उसमें महिलाएं भी एक हैं। इस 'विकसित भारत' के संकल्प की सिद्धि में निसंदेह महिलाओं की चतुर्दिक भूमिका होने वाली है। ऐसे में हमें महिलाओं के पराक्रम और क्षमता को समझने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हम, महिलाओं के विकास का पथ प्रशस्त करने का संकल्प लें । विकसित एवं सशक्त भारत की निर्माण यात्रा, महिलाओं के समग्र सशक्तिकरण के माध्यम से ही संपन्न होगी ।

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, भारत सरकार की केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

महिलाओं के नेतृत्व में विकास

पिछले दशक में भारत की विकास गाथा में एक उल्लेखनीय बदलाव आया है और इस यात्रा का सबसे उत्साहवर्धक पहलू यह है कि इस देश की विकास गाथा में महिलाओं की भूमिका में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज हम गर्व से यह कह सकते हैं कि भारत के विकास के एजेंडे के केन्द्र में 'नारी शक्ति' है। भारत महिलाओं को न केवल जमीनी स्तर पर सशक्त बना रहा है, बल्कि विकसित भारत के निर्माता के रूप में उनके नेतृत्व का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है।

महिलाओं को विकास के लाभार्थी के रूप में देखने से लेकर उन्हें परिवर्तन के वाहक के तौर पर पहचानने की दिशा में आया बदलाव, सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं पहलों द्वारा समर्थित है। जीवन की निरंतरता से संबंधित दृष्टिकोण के तहत तैयार की गई ये नीतियां महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और यह सुनिश्चित कर रही हैं कि उन्हें बचपन से लेकर शिक्षा, सम्मानजनक जीवन, मातृत्व, वित्तीय आजादी एवं आर्थिक एकीकरण के मामले में सहायता हासिल हो।

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसी शैक्षिक एवं पोषण संबंधी सहायता योजनाओं ने शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक असमानताओं को पाटने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन पहलों ने न केवल जन्म के समय लिंग अनुपात को बेहतर बनाने में मदद की है, बल्कि लैंगिक रूप से अपेक्षाकृत अधिक संतुलित समाज के निर्माण का आधार भी तैयार किया है।

इसके अलावा, आंगनवाड़ी प्रणाली और पोषण अभियान जैसी पहलों ने महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। ये कार्यक्रम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि महिलाओं तथा युवतियों को वह पोषण एवं शिक्षा मिले जिसकी उन्हें अपने भविष्य की एक ठोस नींव रखने के लिए ज़रूरत है।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जु?ी योजनाओं ने भी महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में गहरा असर डाला है। उदाहरण के लिए, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने देश भर में 10.3 करोड़ से ज़्यादा एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए हैं। इस कदम से खाना पकाने के पारंपरिक ईंधन से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी जोखिम कम हुए हैं। स्वच्छ भारत मिशन ने 11.8 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया है। इससे महिलाओं की स्वच्छता और सुरक्षा के मामले में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन प्रयासों का महिलाओं की उत्पादकता पर दीर्घकालिक प्रभाव प?ा है।

सबसे परिवर्तनकारी पहलों में से एक है 'दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई–एनआरएलएम)। इस योजना ने आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों – खासतौर पर ग्रामीण महिलाओं एवं समुदायों को बेहद सशक्त बनाया है। 31 जनवरी, 2025 तक, 10.05 करोड़ से ज़्यादा परिवारों को लगभग 90.87 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में संगठित किया जा चुका है। इसके अलावा, एसएचजी के छह लाख से अधिक सदस्यों को विभिन्न भूमिकाओं – पशु सखी एवं कृषि सखी से लेकर बैंक सखी, बीमा सखी और पोषण सखी तक – में सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (सीआरपी) के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इन प्रयासों ने महिलाओं को न केवल वित्तीय स्थिरता प्रदान की है, बल्कि उनमें अपने समुदायों के भीतर नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आत्मविश्वास भी जगाया है।

देश के तेज विकास को नवाचार एवं उद्यमिता से गति मिल रही है। 卐मेक इन इंडिया卐 और 卐डिजिटल इंडिया卐 जैसी पहल न केवल भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल रही हैं, बल्कि महिलाओं के लिए नए अवसर भी पैदा कर रही हैं। भारत, जिसे अब दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में पहचाना जाता है, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों में उछाल का साक्षी बन रहा है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) और स्टैंड–अप इंडिया जैसी पहल इस रूझान को बढ़ावा देने में सहायक रही हैं।

पालना योजना और कामकाजी महिला छात्रावास योजना जैसी लक्षित पहलों के माध्यम से श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कामकाजी महिलाओं के सामने आने वाली दो सबसे महत्वपूर्ण बाधाओं ङ्क देखभाल संबंधी कार्य और आवास से जु?ी समस्या – को दूर करना है।

इन उन्नतियों के बावजूद, देश में देखभाल से संबंधित एक समग्र एवं गुणवत्तापूर्ण इकोसिस्टम स्थापित करना तत्काल आवश्यक है। यों तो सरकार बच्चों एवं वृद्धों की देखभाल से जु?ी सुविधाओं के मामले में मौजूद खाई को पाटने की दिशा में सराहनीय प्रगति कर रही है, लेकिन चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। एक ऐसे समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो न केवल भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करे, बल्कि एक मजबूत नीतिगत ढांचे एवं गुणवत्ता आश्वासन तंत्र को भी कार्यान्वित करे।

उदाहरण के लिए, सरकार डे–केयर सेंटरों को प्रमाणित करने और मानकीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उनकी गुणवत्ता की नियमित निगरानी करने हेतु एक वैधानिक निकाय के गठन पर विचार कर सकती है। इसके अलावा, कामकाजी महिलाओं को बच्चों (5 वर्ष की आयु तक के बच्चों) की देखभाल पर किए गए खर्चों के लिए एक निर्धारित सीमा तक विशेष कर संबंधी छूट प्रदान करने से अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

इसके अलावा, राज्यों द्वारा महिलाओं को शारीरिक श्रम वाली (ब्लू कॉलर) नौकरियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियों को अधिक व्यापक रूप से अपनाने की आवश्यकता है। इन नीतियों में रात की पाली में काम करने तथा सुरक्षा से जु? उपायों का पर्याप्त प्रावधान होना चाहिए।

सरकार ने महिलाओं के राजनीतिक एवं डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। पीएमजीडीआईएसएचए जैसी डिजिटल पहल ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय आजादी हासिल करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में समर्थ बना रही है। एआई, ब्लॉकचेन और फिनटेक का उदय एसटीईएम क्षेत्रों में महिलाओं के लिए नए मार्ग प्रशस्त कर रहा है, जिसमें विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में महिलाएं–किरण (डब्ल्यूआईएसई–किरण) और संस्थानों को बदलने के लिए लैंगिक उन्नति (जीएटीआईढ्ढ) जैसी पहल शामिल हैं। राजनीतिक मोर्चे पर, महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने से विधायी निकायों में अधिक प्रतिनिधित्व का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे शासन के हर स्तर पर महिलाओं की आवाज का सुना जाना सुनिश्चित हुआ है।

इन सरकारी योजनाओं का परिवर्तनकारी प्रभाव देश भर में महिला नेताओं व उद्यमियों और परिवर्तन को संभव बनाने वाली महिलाओं की बढ़ती संख्या से स्पष्ट है। सशक्त महिलाएं न केवल अपने भविष्य को आकार दे रही हैं, बल्कि सामाजिक–आर्थिक प्रगति को भी दिशा दे रही हैं। वास्तव में, महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास फिक्की जैसे संगठनों की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक रहा है और इसे विकसित भारत का एक अनिवार्य शर्त माना गया है। महिलाओं के नेतृत्व में विकास की यात्रा जारी है और इसकी सफलता सरकार एवं निजी क्षेत्र, दोनों के सामूहिक व निरंतर प्रयासों पर निर्भर करेगी।

ज्योति विज
महानिदेशक, फिक्की